PUBLICATION NAME : AAJ SAMAJ.

DATE : 07-07-2013

'सूंडी गोल कृमि से मिलेगा छुटकारा'

हिसार। किसानों को सफेद सूंडी गोल कृमि व दीमकों से निजात मिलेगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष नायर ने बताया कि कैमसन की जैविक प्रौद्योगिकी ईपीएन की नवीनतम सफलताओं में से एक कैलटर्म सुपर किसानों को फसलों को हानिकारक सफेद सूंड़ी, घातक गोलकृमि एवं दीमकों से छूटकारा मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण-हितैषी है, जिसे भिन्न फसलों एवं भिन्न मृदा स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकता है तथा यह उन किसानों के लिए संकट मोचन बनकर आया है, जो गोलकृमि वर्ग के कीटों से निरंतर परेशान रहते हैं। ईपीएन सफेद सूंड़ी, हानिकारक गोलकृमि, दीमक इत्यादि के संहार के लिये नवीनतम जैव नियंत्रक प्रौद्योगिकी है। गोलकृम दो प्रकार के होते हैं हानिकारक गोलकृमि जो फसलों को बर्बाद कर देते हैं और लाभदायक गोलकृमि जो हानिकारक गोलकृमियों को नष्ट कर देते हैं। ईपीएन तकनीक ने लाभदायक गोलकृमियों का इस्तेमाल करने की कला में महारथ हासिल कर ली है।

PUBLICATION NAME:PAL PAL

DATE :06-07-2013.

सफेद सूंडी, गोलकृमि एवं दीमक से मुकाबला करने के लिये आधुनिकतम जैव प्रौद्योगिकी

पल पल न्यूज: हिसार, 5 जुलाई। भारत की अग्रणी कृषि जैव तकनीक कंपनी कैमसन बायोटेक्नोलॉजीज लिमिटेड एंटैमोपैथोजेनिक नेमाटोड टेक्नोलॉजी के आधार पर जैविक कीटनाशकों की नवीन श्रृंखला पर अपना ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। कैमसन की जैविक प्रौद्योगिकी ईपीएन की नवीनतम सफ लताओं में से एक कैलटर्म सुपर किसानो को अपनी फ सलों को हानिकारक सफेद सूंडी, घातक गोलकृमि एवं दीमकों से निजात दिलाने में सहायता करेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष नायर ने बताया कि यह किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण-हितैषी है, जिसे भिन्न फ सलों एवं भिन्न मृदा स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकता है तथा यह उन किसानों के लिये संकट मोचन बन कर आया है, जो गोलकृमि वर्ग के कीटों से निरंतर परेशान रहते हैं। ईपीएन सफेद सूंडी, हानिकारक गोलकृमि, दीमक इत्यादि के संहार के लिये नवीनतम जैव नियंत्रक प्रौद्योगिकी है। गोलकृमि दो प्रकार के होते हैं- हानिकारक गोलकृमि जो फसलों को बर्बाद कर देते हैं और लाभदायक गोलकृमि जो हानिकारक गोलकृमियों को नष्ट कर देते हैं। ईपीएन तकनीक ने लाभदायक गोलकृमियों का इस्तेमाल करने की कला में महारथ हासिल कर ली है। ये गोलकृमि मृदा से व्युत्पन्न होते हैं, नये हानिकारक मेजबानो दीमक, सफेद सूंडी और अन्य हानिकारक गोलकृमि को संक्रमित करते हैं, उनका काम तमाम कर देते हैं तथा बेहतर सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं। संतोष नायर भारत के ग्रामीण कृषि समुदायों, सरकारी अभिकरणों एवं नैगमिक घरानों से साझेदारी के साथ कैमसन का उद्देश्य आवश्यकता आधारित अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से कृषक समुदायों को सशक्तीकृत करना है। कैमसन का विश्वास है कि कृषि विज्ञान एवं तकनीक में खोजपरकता एक स्वस्थ एवं रोग-मुक्त समाज के सृजन के उसके विजन को महसूस करने का अत्यंत शक्तिशाली माध्यम है। उन्होंने कहा भारत का 55 लाख एकड़ से अधिक कृषि क्षेत्र हानिकारक गोलकृमियों-रंगहीन गोलकीट जो गन्ना, मूंगफली, सुपारी, मक्का, सब्जियों इत्यादि जैसे विभिन्न फसलों एवं वृक्षारोपड़ में संक्रमण का कारण बन जाते हैं, से आक्रांत है। चूंकि ये गोलकृमि प्राकृतिक रुप से निर्मित होते हैं, ईपीएन तकनीक किसी भी अवशेष को नहीं छोड़ती एवं मृदा संतुलन में किसी भी प्रकार का बाधा नहीं डालती।

PUBLICATION NAME : DANIK JAGRAN .

DATE :07-07-2013 .

सफेद सूंडी से मिलेगी राहत

हिसार : कैमसन की जैविक प्रौद्योगिकी ईपीएन की लटर्म सुपर फसलों को हानिकारक सफेद सूंडी, घातक गोलकृमि एवं दीमकों से छुटकारा दिलवाएगी। यह बात मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष नायर ने कही। उनके अनुसार यह किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण-हितैषी है, जिसे भिन्न फसलों एवं भिन्न मिट्टी परिस्थितियों में प्रयोग किया जा सकता है।